मधुमक्खी वंशों का निरीक्षण-क्यों और कैसे ?

मधुमक्खी कालोनियों का निरीक्षण करना मधुमक्खी पालन प्रबन्धन का प्रमुख हिस्सा है। मधुमक्खी परिवार की समय-समय पर पड़ने वाली आवश्यकताओं को जानने के लिए तथा आवश्यकतानुसार प्रबन्ध करने के लिए परिवार का निरीक्षण जरूरी है । मधमुक्खियां अपने कार्य मे कम-से कम व्यवधान पसन्द करती ह। अतः मानै वंशों का निरीक्षण सावधनियों के साथ जल्दी से पूरा किया जाना चाहिए। समय बेसमय जब चाहे मधुमक्खी परिवार को खोलना अच्छा नहीं रहता है। मौनवंश के निरीक्षण के लिए उपयुक्त मौसम व समय को ध्यान में रखना आवश्यक है। रोगग्रस्त व आक्रामक स्वभाव वाले मौनवंशों का निरीक्षण अन्त में करना चाहिए। निरीक्षण आमतौर पर 15-21 दिन के अन्तर पर करना काफी होता है परन्तु वकछूट के दिनों में 4-5 दिन में निरीक्षण कर लेना चाहिए।

निरीक्षण के उद्देश्य:

विभिन्न मौसमों में मधुमक्खी परिवार का निरीक्षण निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जाता हैः-

1. मौनवंश में रानी की उपस्थिति जांचना। क्या परिवार में रानी मधुमक्खी है या नहीं? यदि है तो अण्डे ठीक से दे रही है या नहीं और यदि नहीं है (किसी कारणवश मर गई या बक्सा छोड़ गई) तो नई रानी देने का प्रबन्ध करना या परिवार का अन्य परिवार के साथ मेल करना।

2. क्या परिवार में रानी कोष्ठ बन रहे हैं? अगर रानी बूढ़ी है और बदलनी है तो नई रानी पैदा होने दें। अगर कालोनी में पहले से ही नई गर्भित रानी है तो रानी कोष्ठ नष्ट कर दें। अगर पेटिका के सभी फ्रेम भर चुके हैं तो इसका अर्थ है कि ऊपर सुपर चढ़ाएं अथवा कालोनी का विभाजन करें।

3. क्या छत्तों में पर्याप्त भोजन (मकरन्द तथा पराग) उपलब्ध है या नहीं? प्रत्येक मौनवंश के पास कम से कम 5 किलोग्राम भोजन भंडार होना चाहिए अन्यथा परिवार को कृत्रिम भोजन या चीनी की चाशनी देने का प्रबन्ध करें।

4. क्या रानी मधुमक्खी के लिए अण्डे देने का स्थान पर्याप्त है या नहीं? यदि नहीं है तो आवश्यकतानुसार बक्से में नये छत्ते दें। यदि बक्से में छत्तों की संख्या आवश्यकता से अधिक है तो उन छत्तों को बक्से से निकाल दें।

5. क्या परिवार में कोई बीमारी, अष्टपदी या मोमी पतंगे आदि का प्रकोप है या नहीं? यदि है तो उसके नियन्त्रण के लिए उचित प्रबन्ध करें।

6. क्या बक्से में कोई गन्दगी तो नहीं है? यदि गन्दगी हो तो तलपट्टे की सफाई करें।

7. क्या नर मधुमक्खियों की संख्या सम्भोग के लिए पर्याप्त है? नई रानी बनते समय यदि बक्सों में नर पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नही है तो रानी मधमुक्खी सम्भोग से वंचित रह जाती है ।

8. यदि परिवारों में नर की संख्या अत्यधिक है या प्रजनन मौसम के बाद भी बनी रहती है तो उनको नष्ट कर दें।

9. क्या मधु स्त्राव का अधिक लाभ लेने के लिए मधुमक्खी परिवार शक्तिशाली है या नहीं? इसके लिए उनमें पर्याप्त संख्या में शिशु अण्डे, मकरन्द तथा पराग होना चाहिए। परिवार का मनोबल बढ़ाने के लिए उसे चीनी की चाशनी कब दी जाए आदि।

10. क्या मधु निष्कासन के लिए चौखटों में मधु निकालने के लिए उपयुक्त है या नहीं।

11. रानी रहित बक्से का रानी वाले परिवार के साथ मेल करने के लिए भी निरीक्षण आवश्यक है।

12. रानी रहित बक्से में नई रानी देने के 24 घंटे बाद यह देखना कि परिवार की कर्मठ मधुमक्खी नई रानी की खुशबू से अवगत हो गई हैं या नहीं, उन्होंने नई रानी को स्वीकार कर लिया है या नहीं।

निरीक्षण करने का विभिन्न मौसमों में उचित समय:

मधुमक्खी वंशों के निरीक्षण का समय अलग-अलग ऋतुओं/मौसमों में अलग-अलग होता है। जैसे सर्दियों के मौसम में जब अधिक ठण्ड पड़ती है उस समय मधुमक्खी वंशों का निरीक्षण तब करें जब खुली धूप निकली हो और ठण्डी हवाएं ना चल रही हों यानि कि सुबह 11 बजे से सायं 3 बजे के बीच जब वातावरण में गर्मी हो। इसी प्रकार जब गर्मियों के मौसम (मई-जून के महीने) में जब दिन में तापमान अधिक होता है उस समय मधुक्खी वंशों का निरीक्षण सुबह 6 से 9 बजे के बीच और सायंकाल 5 से 7 बजे के बीच करें। बरसात के समय डिब्बों को ना खोलें।

निरीक्षण कैसे करें ?

मधुमक्खी परिवार का निरीक्षण करने से पहले जो निरीक्षण के समय आवश्यक वस्तुएं हैं वे निरीक्षक के पास होनी चाहिए जैसे मुंह ढ़कने की जाली या नकाब, हाईव टूल, दस्ताने तथा धुआंकार। इसके साथ-साथ विवरण लिखने के लिए पैन तथा रजिस्टर भी होना चाहिए।

सावधानियां:

1. ऊपरी ढक्कन व अन्तर्पट को बक्से के पीछे या साईड में खड़ा करके रखें। यदि बक्से पर मधुकक्ष भी है तो ऊपरी ढक्कन को जमीन पर उल्टा रखें फिर उस पर मधुकक्ष रखें।

2. बक्से में यदि 10 चौखटें हैं तो एक चौखट को हाईव टूल की मदद से निकालकर बक्से के अगले हिस्से की तरफ बक्से के साथ खड़ा कर दें ताकि दूसरी चौखटों को इधर-उधर करने में आसानी रहे।

3. प्रत्येक क्रिया यानि अन्तर्पट हटाने, चौखट निकालने या कोई अन्य क्रिया के बीच कुछ सैकण्डों का अन्तर होना चाहिए ताकि मधुमक्खियां शांत रहें।

4. निरीक्षण करते समय चौखटों को निकालते या रखते या खिसकाते समय चौखटों को झटके नहीं लगने चाहिएं अन्यथा मधुमक्खियां अशांत हो सकती हैं।

5. निरीक्षक को आवश्यकतानसुार ही अपन शरीर को हिलाना चाहिए, पर काम में सतर्क व सामान्य रहना चाहिए।

6. निरीक्षक के कपडा़ अथवा शरीर मे तजे खश्ब वाला तले, क्रीम या पाउडर नही हाने चाहिए अन्यथा मधमुक्खियां आक्रमण कर सकती हैं। निरीक्षक के कपड़े काले रंग के नहीं होने चाहिए क्योंकि काले रंग पर मधुमक्खिां ज्यादा आक्रामक होती हैं।

7. जितना जल्दी हो सके रानी वाले चौखट को शिशुकक्ष में रख देना चाहिए।

8. निरीक्षक को बक्से की एक तरफ खड़ा होना चाहिए ताकि मधुमक्खियों को आने जाने में बाधा न आये।

9. यदि कमेरी मधुमक्खी डंक मार दे तो शांत बने रहें। हाईव टूल की सहायता से डंक को खुरच कर बाहर निकाल दें और डंक वाले स्थान पर हरी घास की पत्ती या मिट्टी रगड़ लें अन्यथा दूसरी मधमक्खियों के डंक मारने का खतरा बना रहता है।

10. बक्से में चौखट वापिस रखते समय यह ध्यान रहे कि दो चौखटों के बीच खाली जगह ना रहे तथा वे सटकर लगे हो अन्यथा मधुमक्खियां बीच वाली खाली जगह में छत्ता बना लेती हैं जिसका परिवार के लिए उपयोग नहीं है चौखट के बीच या मधकुक्ष को शिशु कक्ष के ऊपर रखते समय या अन्तपर्ट रखते समय मधमुक्खी दबकर नहीं मरनी चाहिए।

11. यदि बीमार कालोनी का निरीक्षण किया है तो दूसरी कोलोनी के निरीक्षण करने से पूर्व हाथ, दस्ताने, हाईव टूल आदि को पोटेशियम परमेगनेट के पानी से या साबुन से धो लें।

रिकॉर्ड संघारण:

प्रत्येक कालोनी के निरीक्षण का लिखित रिकॉर्ड रखा जाना चाहिए। इसमें कालोनी की जरूरतों एवं समस्याओं का जिक्र होता है। ऐसा करने से सभी कालोनियों के निरीक्षण से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर मौनालय की अगले वर्ष की प्रबन्धन रणनीति तैयार करने में सुविधा रहती है और हर एक कालोनी की स्थिति याद रखने की माथापच्ची भी नहीं करनी पड़ती है। रिकॉर्ड से ही हरेक कालोनी में मधुमक्खी की सक्रियता एवं निष्क्रियता अवधि का विवरण, संग्रहण किये पराग एवं शहद की मात्रा, ब्रूड की स्थिति, रानी के अण्डे देने की क्षमता, स्वार्मिंग, मकरन्द संग्रहण अवधि एवं

प्रत्येक कालोनी की तुलनात्मक स्थिति आदि की जानकारी मिल जाती है जिनके आधार पर मौनालय के प्रबन्धन कार्यों का वार्षिक कार्यक्रम पहले से ही तैयार करने में सुविधा रहती है। रानी मधुमक्खी का अगर वृहद उत्पादन कार्यक्रम लेना हो तो उसके लिए भी आवश्यक आंकड़े मिल जाते हैं।

रिकॉर्ड संघारण किसी एक रजिस्टर में प्रत्येक कालोनी वार अलग-अलग खाता खोलकर किया जा सकता है

तलिकाः मौनवंश निरीक्षण का रिकार्ड

दिनांक	छत्तों की कुल संख्या		मौनवंश की स्थिति				भंडारित भोजन		किसी रोग की उपस्थिति	टिप्पणिया
	शिशु	शहद	व्यस्क	अंडे	शिशु	प्युपा	शहद	पराग		